उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालयः,हरिद्वारम्

आचार्य प्रथम वर्ष परीक्षायाम्

प्राचीनव्याकरणम्– प्रथम सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – महाभाष्यस्य प्रथमाध्यायस्य द्वितीयतृतीयपादौ – **80+20 अंकाः**
द्वितीयपत्रम् – महाभाष्यस्य प्रथमाध्यायस्य चतुर्थपादः – **80+20 अंकाः**
तृतीयपत्रम् – महाभाष्यस्य द्वितीयाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ – **80+20 अंकाः**
चतुर्थपत्रम् – महाभाष्यस्य द्वितीयाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ – **80+20 अंकाः**
पंचमपत्रम् – वैयाकरणभूषणसारस्य धात्वर्थप्रकरणम्। – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – महाभाष्यस्य तृतीयाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ – **80+20 अंकाः**
द्वितीयपत्रम् – महाभाष्यस्य तृतीयाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ – **80+20 अंकाः**
तृतीयपत्रम् – महाभाष्यस्य चतुर्थाध्यायस्य प्रथमाद्वितीयपादा – **80+20 अंकाः**
चतुर्थपत्रम् – महाभाष्यस्य चतुर्थध्यायस्य तृतीय चतुर्थपादौ – **80+20 अंकाः**
पंचमपत्रम् – वैयाकरणभूषणस्य लकारार्थसुबर्थनामार्थ प्रकरणानि – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य द्वितीय वर्षम्

प्राचीनव्याकरणम्

तृतीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – महाभाष्यस्य पञ्चमाध्याय – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – महाभाष्यस्य षष्ठाध्यायः – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् – महाभाष्यस्य सप्तमाध्याय – **80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् – महाभाष्यस्याष्टमाध्यायः – **80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम्– परिभाषेन्दुशेखरः (आदितः असिद्धं बहिरङ्गमन्तरङ्गे परिभाषां यावत्) –**80+20 अंका**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – निरुक्तस्य प्रथमद्वितीयाध्यायौ – **80+20 अंकाः**
द्वितीयपत्रम् – वाक्यपदीयम् ब्रह्मकाण्डम् – **80+20 अंकाः**
तृतीयपत्रम् – स्वशास्त्रीय निबन्धः शोधप्रविधिश्च – **80+20 अंकाः**
चतुर्थपत्रम् – व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः अथवा लघुशोधप्रबन्धः – **80+20अंकाः**
पंचमपत्रम–वाक्परीक्षा –**100 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।